



एम.पी.पी.सी.एस. मुख्य परीक्षा-2022
सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
MPPCS Mains Exam-2022
General Studies (Paper-IV)

M-2022/GS-IV

अनुक्रमांक/Roll No.

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 4

Total No. of Questions : 4

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

No. of Printed Pages : 8

M-2022/GS-IV

सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES

चतुर्थ प्रश्न-पत्र
FOURTH PAPER

समय : 03 घंटे]

Time : 03 Hours]

[पूर्णांक : 200

[Total Marks : 200

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में **20** अति लघूत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **10** शब्द/एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **02** (दो) अंकों का है।

(2×20=40)

Que. :1. This question contains **20** very short answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **10** words/**one** line. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **02** (**two**) marks.

प्रश्न : (1.1) प्लेटो के अनुसार, 'इंद्रिय प्रत्यक्ष', ज्ञान क्यों नहीं है? वह
Why is 'sense-perception' not a knowledge, according to Plato?

प्रश्न : (1.2) भारतीय दर्शन को चार्वाक दर्शन की सबसे बड़ी देन क्या है?

What is the biggest contribution of Charvaka Philosophy to Indian Philosophy?

- प्रश्न : (1.3) रवीन्द्रनाथ टैगोर के अनुसार, मनुष्य और प्रकृति में किस तरह का संबंध है?
According to Rabindranath Tagore, which type of relation is there between man and nature?
- प्रश्न : (1.4) जैन दर्शन का त्रिरत्न क्या है? इसका क्या महत्व है?
What is Triratna in Jain philosophy? What is its importance?
- प्रश्न : (1.5) सावित्रीबाई फुले, एक समाज सुधारक के रूप में क्यों विशिष्ट हैं?
Why is Savitribai Phule special as a social reformer?
- प्रश्न : (1.6) प्रबोधक सम्प्रेषण क्या है?
What is persuasive communication?
- प्रश्न : (1.7) पूर्वाग्रह तथा विभेदीकरण में मूलतः क्या अंतर है?
What is the basic difference between Prejudice and Discrimination?
- प्रश्न : (1.8) मनोवृत्ति कैसे एक व्यक्ति के लिए अहं-रक्षात्मक कार्य करती है?
How does an attitude work as an ego-defensive mechanism for a person?
- प्रश्न : (1.9) भावनात्मक रूप से बुद्धिमान व्यक्ति के क्या लक्षण होते हैं?
What are the characteristics of emotionally intelligent person?
- प्रश्न : (1.10) प्राचीन अनुबंधन द्वारा मनोवृत्ति परिवर्तन का एक उदाहरण प्रस्तुत कीजिए।
Present an example of change in Attitude by Classical Conditioning.
- प्रश्न : (1.11) नैतिकता क्या है?
What is ethics?
- प्रश्न : (1.12) शासन में पारदर्शिता क्या है?
What is transparency in governance?
- प्रश्न : (1.13) संगठनात्मक सत्यनिष्ठा क्या है?
What is organisational integrity?
- प्रश्न : (1.14) नैतिक अवसंरचना क्या है?
What is ethical infrastructure?
- प्रश्न : (1.15) सार्वजनिक जवाबदेही के तीन मूलभूत सिद्धान्त कौन-से हैं?
What are the three fundamental principles of public accountability?

प्रश्न : (1.16) ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा दी गई 'भ्रष्टाचार' की परिभाषा क्या है?

What is the definition of 'corruption' given by Transparency International?

प्रश्न : (1.17) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी०बी०आई०) के संचालन के तीन मुख्य क्षेत्र कौन-से हैं?

What are the three main areas of operation of Central Bureau of Investigation (CBI)?

प्रश्न : (1.18) 'व्हिसलब्लोइंग' से आप क्या समझते हैं?

What do you mean by 'Whistleblowing'?

प्रश्न : (1.19) भाई-भतीजावाद क्या है?

What is nepotism?

प्रश्न : (1.20) नौकरशाही भ्रष्टाचार को स्पष्ट कीजिए।

Elucidate bureaucratic corruption.

प्रश्न : 2. इस प्रश्न में **08** लघूत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **50** शब्द/ **5** से **6** पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **05** (पाँच) अंकों का है।

(5×8=40)

Que. : 2. This question contains **08** short answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **50** words/**5** to **6** lines. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **05 (five)** marks.

प्रश्न : (2.1) अरस्तू के अनुसार, सद्गुणों का मानव जीवन में क्या महत्व है?

According to Aristotle, what is the importance of virtues in human life?

प्रश्न : (2.2) किस प्रकार गौतम बुद्ध ने क्षणभगवाद के द्वारा 'मध्यम मार्ग' सिद्धान्त का प्रतिपादन किया है?

How has Gautam Buddha propounded the theory of 'Madhyam Marg' with momentariness?

प्रश्न : (2.3) सिविल सेवाओं में सत्यनिष्ठा का वर्णन कीजिए।

Describe Integrity in Civil Services.

प्रश्न : (2.4) क्या रूढ़ियुक्तियाँ सदैव नकारात्मक होती हैं? स्पष्ट कीजिए।
Are stereotypes always negative? Clarify.

प्रश्न : (2.5) नोलन समिति के सार्वजनिक जीवन के सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए।
Throw light on the Nolan Committee's principles of public life.

प्रश्न : (2.6) नैतिक व्यवहार के ढांचे के आवश्यक तत्व क्या हैं?
What are the essential elements of the framework of ethical behaviour?

प्रश्न : (2.7) अलतास (Alatas) के अनुसार, भ्रष्टाचार के सात प्रकार कौन-से हैं?
According to Alatas, what are the seven types of corruption?

प्रश्न : (2.8) केन्द्रीय सतर्कता आयोग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write a brief note on the Central Vigilance Commission.

प्रश्न : 3. इस प्रश्न में **04** दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **200** शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **20** (बीस) अंकों का है। **(20×4=80)**

Que. : 3. This question contains **04** long answer type sub-questions. Answer **each** question ideally in **200** words. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **20 (twenty)** marks.

प्रश्न : (3.1) स्वामी विवेकानन्द के प्रसिद्ध शिकागो व्याख्यान और आज के समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।
Throw light upon Swami Vivekananda's famous Chicago address and its significance in present time.

प्रश्न : (3.2) वैयक्तिक भिन्नता की अवधारणा का वर्णन कीजिए तथा प्रकृति व पोषण विवाद पर प्रकाश डालिए।
Describe the concept of Individual Difference and throw light on Nature-Nurture controversy.

प्रश्न : (3.3) भारत में सिविल सेवकों के लिए आचार संहिता पर टिप्पणी कीजिए।
Comment on the code of conduct for Civil Servants in India.

प्रश्न : (3.4) क्या भ्रष्टाचार मुक्त भारत संभव है? चर्चा कीजिए।
Is it possible to have a corruption free India? Discuss.

प्रश्न : 4. इस प्रश्न में **02** (केस स्टडी) उप-खंड हैं। उप-खंड **4.1** एवं **4.2** प्रत्येक उप-खंड में **05** प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा **100** शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न **04** (चार) अंकों का होगा। **(4×5=20)**

Que. : 4. This question has **02** (Case Study) sub-sections **4.1** and **4.2**. **Each** Case Study has **05** questions and the ideal word limit for **each** answer will be **100** words. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **04** (four) marks.

प्रश्न : (4.1) प्रकरण अध्ययन (Case Study)

आप जिलाधिकारी नियुक्त हुए हैं। जिले की कानून व्यवस्था और विकास कार्य आपके भरोसे हैं। आप पुलिस और अभियोजन एजेंसी के प्रमुख हैं। जिला प्रशासन के प्रमुख होने के नाते, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखना आपका कार्य है। आप जनता और सरकार के बीच एक जोड़ने वाला सेतु हैं। नीतियों का निष्पादन और सरकार द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों / विनियमों का संचालन जिलाधिकारी करता है। जिले के प्रशासन के साथ-साथ नागरिक प्रशासन, विकास, पंचायत, स्थानीय निकायों आदि क्षेत्रों से जुड़ी कई जिम्मेदारियां हैं। जिला प्रशासन के प्रमुख, नागरिक प्रशासन के कार्यकारी प्रमुख हैं। जिले के विभिन्न विभागों के मार्गदर्शन और समन्वय जैसे नगरपालिका समितियां, बाजार समितियां, पंचायत समितियां, विकास खण्ड और जिला परिषद प्रशासन हैं। वहीं ग्रामीण विकास योजनाओं के निष्पादन भी महत्वपूर्ण हैं। इसके अतिरिक्त, जिला चुनाव अधिकारी के रूप में समय-समय पर आयोजित सभी चुनावों के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित कराने की भी आपकी जिम्मेदारी है। दशवर्षीय जनगणना में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। जिला राजस्व अधिकारी के रूप में, विकास संबंधित सभी कार्य और पंचवर्षीय योजनाएं तथा स्थानीय विकास कार्य आपका महत्वपूर्ण दायित्व है।

You have been appointed as District Magistrate. The law and order and development work of the district is in your trust. You are the head of the police and prosecution agency. It is your job to coordinate between the various departments of the district administration. You are a connecting bridge between the public and the Government. The District Magistrate executes the policies and administers the rules/regulations made by the Government from time to time. Along with the

district administration, civil administration, development, panchayats, local bodies, etc. you have many responsibilities related to the areas. The head of the district administration is the executive head of the civil administration. Coordination is to be done by guiding various departments of the district such as Municipal Committees, Market Committees, Panchayat Samitis, Development Block and Zilla Parishad Administration. At the same time, the execution of rural development plans is also important. Apart from this, as the District Election Officer, you are also responsible for the peaceful and orderly conduct of all the elections held from time to time. You have an important role in the decade Census. As the District Revenue Officer, all the development related works, Five Year Plans and local development are your important responsibilities.

प्रश्न : (4.1) (1) यदि आप एक जिले के जिलाधिकारी हैं, तो आपकी प्रमुख जिम्मेदारी क्या है?

If you are a District Officer of a district, then what is your main responsibility?

प्रश्न : (4.1) (2) जिलाधिकारी के रूप में विकास संबंधी कार्य क्या-क्या हैं?

What are the development related works as District Magistrate?

प्रश्न : (4.1) (3) ग्रामीण विकास संबंधी प्रमुख दायित्व कौन-से हैं?

What are the major responsibilities related to rural development?

प्रश्न : (4.1) (4) जिला चुनाव अधिकारी के रूप में प्रमुख दायित्व क्या हैं?

What are the main responsibilities as a District Election Officer?

प्रश्न : (4.1) (5) आपकी दृष्टि में एक जिलाधिकारी को कौन-कौन सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

In your view, what challenges are faced by a District Magistrate?

प्रश्न : 4. इस प्रश्न में 02 (केस स्टडी) उप-खंड हैं। उप-खंड 4.1 एवं 4.2। प्रत्येक उप-खंड में 05 प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 100 शब्द होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 04 (चार) अंकों का होगा। (4×5=20)

Que. : 4. This question has 02 (Case Study) sub-sections 4.1 and 4.2. Each Case Study has 05 questions and the ideal word limit for each answer will be 100 words. All questions are compulsory. Each question carries 04 (four) marks.

प्रश्न : (4.2) प्रकरण अध्ययन (Case Study)

लोक प्रशासकों में पेशेवर नैतिकता को बढ़ावा देना एवं बनाये रखना एन०पी०एम० (NPM) पैरोकारों की एक महत्वपूर्ण चिंता है। लोगों को मूल्यवान ग्राहकों के रूप में वरीयता देने के लिए लोक प्रबन्धन की शैली को मूल रूप से बदलने का प्रयास रहा है। लोक प्रशासकों को परिणाम प्राप्त करने के लिए एवं संचालन की शैली में उद्यमी होने हेतु अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। यू०के० (UK) सरकार ने इस दिशा में एक रणनीति अपनाई है, जो सार्वजनिक अधिकारियों को कई प्रतिबद्धताओं के लिए बाध्य करती है। इसमें परिणाम प्रभावी नीतियाँ विकसित करना, नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल एवं उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक सेवाओं का वितरण, नई तकनीक के प्रयोग से नागरिकों एवं व्यापार की जरूरतों को पूरा करना शामिल है। जनता चाहती है, कि जो राज्य के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं, वे नैतिक सार्वजनिक नेतृत्व दिखाएँ। दूसरे शब्दों में, ईमानदारी, नैतिकता और नैतिक आचार-विचार समाज में सामान्य क्रम में होना चाहिए। यदि नैतिकता नहीं है तो समाज, बिगड़ने, गिरावट और क्षय के रास्ते पर निश्चित रूप से है। नैतिक मूल्यों के बिना, जीवन सार्थक रूप से जीने लायक नहीं है।

Promoting and sustaining professional ethics among public administrators continues to be a key concern of NPM advocates. There have been attempts to fundamentally transform the style of public management to prefer the people as valued customers. For this to happen, public administrators need to be more focused to achieve results and be entrepreneurial in their style of operation. The UK Government has adopted a strategy in this line that compels public officials to make a number of commitments. This includes developing policies to deliver results that matter,

delivering efficient and high quality public services to meet the needs of citizens, using new technology to cater to the needs of citizens and business. The public wants, those offering their services for the State, should show moral public service leadership. In other words, honesty, ethics and moral mores must be the order of the normal fines in society. If ethics are off, the society is on the certain path of deterioration, degradation and decay. Without ethical values, life is not worth living.

प्रश्न : (4.2) (1) उत्तरदायित्व के संदर्भ में, नवीन सार्वजनिक प्रबन्धन दृष्टिकोण, पारम्परिक दृष्टिकोण से भिन्न है। चर्चा कीजिए।

In the context of accountability, new public management approach is different from traditional approach. Discuss.

प्रश्न : (4.2) (2) नैतिकता और मूल्यों के आपसी संबंध पर चर्चा कीजिए।

Discuss the mutual relationship between ethics and values.

प्रश्न : (4.2) (3) “भ्रष्टाचार से निपटने के लिए नैतिकता और प्रशासन एक दूसरे के पूरक हैं।” क्या आप इस कथन से सहमत हैं?

“For tackling corruption, morality and administration are complementary to each other.” Do you agree with this statement?

प्रश्न : (4.2) (4) नैतिकता और मूल्य, प्रशासन के कामकाज को कैसे प्रभावित करते हैं?

How do morality and values affect the working of administration?

प्रश्न : (4.2) (5) कृषि बिल, 2020 के संबंध में, सरकार को किन नैतिक दुविधाओं का सामना करना पड़ा?

Which moral dilemmas have been faced by the Government related to Farm Bill, 2020?

★ ★ ★